उर्वरकों का उत्पादन

2033. **श्री रातजी लाल** : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)देश में इस वर्ष अब तक और 31 मार्च, 1996 तक विभिन्न उर्वरक उत्पादन एककों में एकक-वार कितनी मात्रा में उर्वरकों का उत्पादन होने की संभावना हैं;

(ख)इन एककों में किन-किन प्रकार से उर्वरकों का उत्पादन किया जा रहा हैं;

(ग)प्रत्येक यूनिट की उत्पादन क्षमता उसकी कुल संस्थापित क्षमता का कितना प्रतिशत हैं; और

(घ)क्या सरकार इन एकको की क्षमता, में वृद्धि करने के लिए कोई कदम उठा रही हैं, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या हैं;

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री लखन सिंह यादव) : (क) वर्ममान में देश में 59 विशाल आकार और 80 लघु और मध्यम आकार की उर्वरक इकाइयां हैं जो व्यापक श्रेणी के नाइट्रोजनी, फास्फेटिक और कम्पलेंक्स उर्वरकों का उत्पादन करती हैं इसमें यूरिया, डि-अमोनिया फास्टफेट, अमोनिया सल्फेट, कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट, सिंगल सुपर फास्टफेट और कम्पलैक्स ग्रेड उर्वरकों कर 12 विभिन्न किस्में सम्मिलित हैं। अप्रैल-नवम्बर, 1995 की अवधि के दौरान नाइट्रोजनयुक्त और फास्टफिक उर्वरकों का क्रमश: 56.63 और 16.83 लाख मी0 टन का उत्पादन हुआ था। इसमें नाइट्रोजनयुक्त उर्वरको के मामले में 94.5% और फास्फेटिक उर्वरकों के मामले में 89.5% की क्षमता उपयोगिता हुई। वर्ष 1995-96 के लिए 95% और 94% क्षमता उपयोगिता पर नाइट्रोजनयुक्त और फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन का लक्ष्य क्रमश: 86.3 लाख मी0 टन और 26.67 लाख मी0 टन था।

(घ)दिनांक 24 जुलाई, 1991 को सरकार द्वारा जारी औद्योगिक नीति वक्तव्य के अनुसार संयंत्र की स्थापना के लिए औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता नहीं हैं।

उर्वरक विभाग के प्रशासनिकनियंत्रणकारी सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों ने उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित नीति अपनाई है;

(i)वर्तमान उर्वरक संयंत्रो का विस्तार/रेट्रोफिटिंग/रिवेम्पिंग

(ii)नेफथा आधारित उर्वरक संयंत्रो की स्थापना द्वारा नाइट्रोजनी उर्वरकों के उत्पादन के लिए वरीयता प्राप्त फीडस्टाक अर्थात् प्राकृतिक गैस की उपलब्धता में बाधाओं पर काबू पाना और वर्तमान संयंत्रो और कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं से ड्यूल/फीड स्टाक सुविधाओं की स्थापना, और

(iii)प्रचुर और सस्ती कच्ची सामग्री स्रोतो वाले देशो में संयुक्त उद्यम परियोजनाओं की स्थापना।

सरकार के विचारार्थ सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों द्वारा प्रस्तुत कार्यान्वयनाधीन-परियोजनाओं और परियोजनाओं और परियोजना प्रस्तावों के विवरण संलग्न हैं।

विवरण

देश मे कार्यान्वयनाधीन उर्वरक परियोजनाओ का विवरण

क्र0 सं0	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रू0 करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी0 टन प्रति वर्ष में)	आरमभरण की प्रत्याशित तारीख
1.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लि0 (इफ्को)	अंगवाला (उ0प्र0) (विस्तार)	960.00	यूरिया 7.26	01.01.1997

क्र0 सं0	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रू0 करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी0 टन प्रति वर्ष में	आरमभण की प्रत्याशित तारीख
2.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर काआपरेटिव लि0 (इफ्को)	कलोल (गुजरात) (विस्तार)	119.08	यूरिया 1.50	01.09.1997
3.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाजर कोआपरेटिव लि0 (इफ्को)	फूलपुर (उ0प्र0) (विस्तार)	993.00	यूरिया 7.26	20.01.1998
4.	नेशनल फर्टिलाइजर लि0 (एन एफ एल)	विजयपुर (म0प्र0) (विस्तार)	987.30	यूरिया 7.26	01.01.1997
5.	मद्रास फर्टिलाइजर्स लि0 (एम एफ एल)	मनाली (मद्रास) (विस्तार)	487.47	यूरिया 0.76 एन पी के 1.84	30.06.1996
6.	फर्टिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स- ट्रावनकोर लि0 (फैक्ट)	उद्योग मण्डल 618.00 केरल (अमोनिया संयंत्र का प्रतिस्थापना)	618.00	अमोनिया 2.97	31.03.1997
7.	ओसवाल कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर लिमिटेड	शाहजहांपुर (उ0प्र0) (ग्रासरूट)	1325.00	यूरिया 7.26	परीक्षण उत्पादन शुरू हो चुका हैं। दिसम्बर, 95 तक शुरू होने की संभावना हैं।
8.	नागार्जुन फर्टिलाइजर एण्ड कैमिकल्स लि0 (एन0एफ0सी0एल0)	काकीनाड़ा आन्ध्र प्रदेश (विस्तार)	954.21	यूरिया 4.95	1997.98 उत्तरार्द्ध
9.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0 (एन0 एफ0 एल0)	नांगल पंजाब (डी-बोटल नेकिंग)	50.00	यूरिया 1.81	01-11-1996

क्र0 सं0	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रू0 करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी0 टन प्रति वर्ष में)	आरम्भण की प्रत्याशित तारीख
10.	राष्ट्रीय कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि0 (आर0सी0एफ0)	थाल फेस-। फेस-॥ 6 अमोनिया रेट्रोफिट)	49.00 93.00	यूरिया 1.65 यूरिया 1.10	07.10.1996 नवम्बर,1997
				(।) कुल अनुमानित पूंजी लागत-रूपए	6636.06 करोड़
				(॥) कुल क्षमता (क) यूरिया-प्रति	40.81 लाख मी0 टन
				टन प्रति(ख) एनपीके-	1.84 लाख मी0

दो चरणों के तहत निर्धारित मंजूरी के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों द्वारा परियोजना प्रस्ताव किए गए हैं जिसकी मंजूरी प्रक्रिया निम्नुसार हैं:-

क्र0 सं0	कम्पनी/उपक्रम का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रू0करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी0 टन प्रति वर्ष में)	स्तर
1.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिप लि0 (इफ्को)	काण्डला गुजरात (विस्तार)	212.80	फास्फेट 2.11 न्यूट्रिएन्ट	प्रथम चरण की मंजूरी के लिए प्रसतुत किया गया हैं।
2.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लि0 (इफको)	नेल्लोर, आ0प्र0 (ग्रासरूट)	1468.20	यूरिया 7.26	प्रथम चरण के लिए प्रस्तुत किया गया हैं।
3.	कृषक भारती कोआपरेटिव लि0 (कृभको)	हजीरा गुजरात (ग्रासरूट)	601.38	एन पी (20.20) 3.00 केन (25 एन) 2.85	9.6.94 को प्रथम चरण की मंजूरी के लिए दिया गया।
4.	कृशक भारती कोआपरेटिव लि0 (कृभको)	हजीरा गुजरात (विस्तार)	979.00	यूरिया 7.26	प्रथम चरण की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया।

क्र. सं0	कम्पनी/उपक्रम का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रू0 करोड़ में)	परिकल्पित उतपादन क्षमता (लाख मी0 टन प्रति वर्ष में)	स्तर
5.	नेशनल फर्टिलाइजर लि0 (एन एफ एल0)	पानीपत हरियाणाए (विस्तार)	1175.42	यूरिया 7.26	प्रथम स्तर की मंजूरी के लिए दर्शाया जा रहा हैं।

गुजरात में खतरनाक रसायन उद्योग

2034. **श्री गोपाल सिंह जी0 सोलंकीं** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)गुजरात में विशेषत: राजकोट, जामनगर, गांधीधाम और पोबंदर में 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार खतरनाक रसायन उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई हैं;

(ख)क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य में ऐसे उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई हैं;

(ग)यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ)राज्य में ऐसे उद्योगों के विस्तार से रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा गये हैं/उठाये जाने का प्रस्ताव हैं?

रसायन और उर्वरक मंत्री) श्री राम लखन सिंह यादव) : (क) से (घ) खतरनाक रसायन उद्योगों की वृद्धि पर नजर के उद्देश्य से रसायन के 22 उद्योगों/उद्योग ग्रुपों को उद्योगों की उस सूची में शामिल कर लिया गया हैं जिसके संबंध में औद्योगिक लाइसेसिंग आवश्यक हैं। सरकार विभिन्न पहलुओं जैसे सुरक्षा, पर्यावरण दूष्टिकोण आदि के बारे में सन्तुष्ट होने के बाद खतरनाक रसायनों के विनिर्माण की अनुमति देती हैं। जहां तक जानकारी उपलब्ध हैं, गुजरात राज्य में 16रसायन उद्योग खतरनाक रसायनों का विर्निर्माण कर रहे है। इनमें वे दो उद्योग भी शामिल हैं जिनको पिछले तीन वर्षों के दौरान लाइसेंस जारी किए गए थे।

Assistance Given by N.M.F.D.C. to States

2035. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) the total paid up capital of National Minorities, Financial and Development Corporation as on 30th November, 1995;

(b) the number of States that have subscribed to the capital of the corporation, and the details thereof of their names and amount contributed by them;

(c) the assistance extended by the Corporation to various States and the number of beneficiaries in each State; and

(d) the problems faced by the Corporation in implementing its schemes'?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI ASLAM SHER KHAN): (a) The total paid up capital of NMDFC as on 30.11.95 is Rs. 56,96,14,000/-.

(b) The following initial shareholders have paid up their share as given below:-

1. Andhra Pradesh — 4000
2. Karnataka — 4000
3. Uttar Pradesh — 6000

Further Government of Uttar Pradesh has contributed Rs. 6.96 crorcs towards share capital of the Corporation

(c) NMFDC had disbursed Rs. 31.02 crorcs to (> state channel agencies of stales upto 30.11 95.